

Sch. दावे दग्धं प्रचक्रमे MBh. 1, 8027. सभा प्रचक्रमे कर्तुम् 2, 17, 2290. Matsjop. 55. RAGH. 2, 15. 3, 47. KUMĀRAS. 3, 2. Megh. 96. KATHĀS. 1, 46. 6, 7. BHATT. 8, 25. 17, 48. ausnahmsweise act.: सुवर्णवर्माणमुपेत्य काशियं वपुष्टमार्थं वर्या प्रचक्रमुः (wie वर्या चक्रुः u. s. w.) MBh. 1, 1809. कर्तुं प्रचक्रमुः Dev. 2, 48. einen Anfang nehmen: संध्या प्रक्राताम् BHATT. 4, 14. — caus. vorwärtsschreiten lassen: ग्रथैतां सप्त पदानि प्रक्रमयति Pār. Gāh. 1, 8. — desid. fut. प्राचक्रमिष्यते P. 7, 2, 36, Vārtt. 2, Sch.

— अभिप्र act. hinschreiten zu (acc.) Çat. Br. 1, 9, 3, 8. Kāuṣ. 13.

— संप्र med. an Etwas gehen, sich anschicken, beginnen: शरीरसंप्र-  
तिहारमात्मनः संप्रचक्रमे MBh. 1, 1261. mit dem inf.: व्यूहितुं संप्रचक्रमे  
4, 1627. 13, 2211. R. 6, 91, 10.

— प्रति act. med. zurückkommen: प्रतिक्रामति Çat. Br. 3, 4, 4, 9. °च-  
क्रमिरे 10, 6, 2. 11, 4, 2, 9. Kānd. Up. 5, 11, 7. °चक्रमे 4, 2. 1. °क्राम  
MBh. 3, 15689.

— अनुप्रति dass.: अनुप्रतिक्रामं नुकेति TS. 5, 5, 10, 6.

— वि act. med. (nach P. 1, 3, 41 med. in der ursprüngl. Bed. schrei-  
ten, gehen; nach Vor. 23, 32 nur in dem Falle med., wenn von einer Be-  
wegung auf eigenen Füßen die Rede geht: साधु विक्रमते वाङ्मि, aber  
वाङ्मिना विक्रामति). 1) weiterschreiten; bei Seite gehen, sich entfernen:  
सर्वे विज्ञो वितरं वि क्रमस्व RV. 4, 18, 11. 5, 47, 3. वि यद्वैरिधिं त्रिषो  
विश्वे देवांसो अक्रमुः 8, 82, 18. अमृते ऽधि वि चक्रमे AV. 10, 8, 41. 20, 133,  
4. व्यधानः क्रामिषुः die Wege gehen abseits Çat. Br. 13, 2, 4, 2. — 2) aus-  
einandergehen, sich theilen: ततो विष्वङ्क्रामत्सज्जनानशने अभि (vgl. un-  
ten u. 4 Bhāg. P. 2, 6, 20) RV. 10, 90, 4. पञ्चोदनः पञ्चधा वि क्रमताम् AV.  
9, 3, 8. अज्ञो वा इदमप्ये व्यक्रमत 25. य एकमोर्जस्त्रेधा विचक्रमे 1, 12, 1. च-  
तुर्था विक्राता 8, 10, 8. TS. 2, 2, 22, 5. 3, 3, 2, 1. विक्रामति संधिः P. 1, 3,  
41. Sch. — 3) durchschreiten: वि चक्रमे पृथिवीम् RV. 7, 100, 4. व्याघ्रो  
अधि वैपात्रे वि क्रमस्व दिशो महीः AV. 4, 8, 4. त्रेधा विष्णुरुहगायो विच-  
क्रमे महो दिवं पृथिवीमन्तरितम् TBh. 3, 1, 2, 7. — 4) einherschreiten,  
schreiten, gehen: पृथिवीमनु वि क्रमे AV. 10, 3, 25. VS. 12, 5. Çat. Br. 6,  
7, 3, 13. उरु विज्ञो वि क्रमस्व VS. 5, 38. त्रेधा विचक्रमाणः RV. 4, 134, 1.  
VS. 2, 25. एकपाद्भ्यो द्विपदा वि चक्रमे RV. 10, 117, 8. तेन विक्रममाणेन  
ऊरुवेगसमीरितम् । वनम् — व्याघ्रैर्णतिमिवाभवत् MBh. 1, 5882. जले वि-  
क्रममाणायः BHATT. 8, 24. ते पूयं वरिताः सर्वे विक्रमधं प्रवंगमाः R. 4, 58,  
28. संपूर्णं शतयोजनं विक्रम्य 27. विक्रमस्व महावह्निं विष्णुस्त्रीन्विक्रमा-  
निव 5, 2, 45. मृगान्विध्यन्नातिथियो विचक्रमे BHATT. 4, 8. विक्रमतो हरेः ।  
विक्रमैस्त्रिभिः MBh. 3, 15845. त्रिविक्रमान्विक्रमतो विज्ञोः R. 2, 23, 33. ei-  
nen Schritt machen: विक्रम्य च स्थानम् Çāṅkh. Çr. 1, 4, 3. तिर्थगिविक्राम-  
ति 4, 12, 6. erschreiten, sich erheben zu: स देवेभ्य इमां विक्रातिं विचक्रमे  
Çat. Br. 1, 1, 2, 13. 9, 3, 9. आतिष्ठस्व रथाव्राजान्विक्रमस्व विहायसम् MBh.  
1, 3677. विक्रमस्व दिवम् R. 5, 2, 40. beschreiten: सूतो विचक्रमे विष्वङ्गा-  
शनानशने उभे (vgl. oben unter 2 RV. 10, 90, 4) Bhāg. P. 2, 6, 20. विक्राता  
u. Gang, Art zu Gehen: तददेवास्य विक्रातम् MBh. 4, 1265. सिंहावक्रा-  
तगामिन् R. 3, 25, 13. — 5) einen Ansatz nehmen, einen muthigen An-  
griff machen, seinen Muth an den Tag legen; bekämpfen: तांश्च विक्रमसे  
जेतुम् MBh. 2, 196. ते विक्रमतः स्फुरता देहेन वित्तिप्यमाणा धनुषा नरे-  
न्द्राः 1, 7022. युद्धे विक्रमतश्चैव (सुग्रीवस्य) R. 6, 100, 8. यदा सामानं मुच्यधं  
गन्धर्वा धृतराष्ट्रान् । मोक्षयिष्यामि विक्रम्य स्वयमेव सुयोधनम् ॥ MBh.

H. Theil.

3, 14975. तमपि — निवातकवात्रणो । विजेता युधि विक्रम्य Anā. 5, 22.  
युधि विक्रम्य निर्जिताः R. 4, 10, 4. 12, 3, 54, 4, 8. Bhāg. P. 3, 14, 9. वाहना-  
नि प्रभूतानि मित्राणि च कुलानि च । यावन्न तेषां गान्धारे तावद्विक्रम पा-  
र्यिव ॥ MBh. 1, 7428. fg. विक्रमिष्यति रत्नसु भर्ता ते सकलह्मणः । यथा  
शत्रुषु विक्रातो विष्णुना सह वासवः ॥ R. 6, 9, 31. तत एनं महदेवः पोड्य  
गात्रैः सुपीडितम् । तेजसा व्यक्रमत् MBh. 3, 1611. येषामुत्साहशक्तिर्भवति  
ते स्वल्पा अपि गुह्यन्विक्रमसे PAṅKAT. 79, 2. विक्रात muthig, tapfer AK.  
2, 8, 2, 45. H. 363. MBh. 3, 2454. 2456. Bhāg. 1, 6. R. 1, 22, 4. 3, 13, 14, 33,  
2, 53, 46. युधि विक्रातो MBh. 1, 6018. विक्रातयोधिन् 3, 366. R. 3, 4, 31.  
सिंहविक्रात MBh. 3, 578. 2863. धनुषि विक्राताः im Bogen mächtig, her-  
vorragend 14, 69. — caus. Schritte machen lassen: चर्मणि त्रिविक्रमय-  
ति KĀTJ. Çr. 15, 6, 9. — Vgl. विक्रम, विक्रात, विक्राति.

— ग्रथिवि med. für Jmd ausschreiten: देव विष्णु उर्व्यास्मिन्यज्ञे यम-  
मानायाधिविक्रमस्व KĀTJ. Çr. 23, 3, 1.

— अनुवि med. nachschreiten: प्रज्ञापतेर्वी एष विक्रमाननुविक्रमते य  
उपह्रति AV. 9, 6, 29. तमहमनुव्यक्रमि Çāṅkh. Çr. 4, 12, 3. TBh. 1, 1,  
5, 10.

— निर्वि hinausschreiten: भित्वा कुतिं निर्विक्रम विप्रः MBh. 1, 3244.

— सम् act. med. 1) zusammentreten, sich vereinigen: सं क्रामतं मा  
जंहीतं शरीरम् AV. 7, 53, 1. समधानः क्रामेयुः Çat. Br. 13, 2, 4, 2. कस्मा-  
द्वक्सामयोः संक्रामति 8, 1, 3, 5. संक्रातोपीरपरिमल Çāṅ. Ch. 60, 1. Gīt. 12,  
27. zusammengelassen: समिव वा एष क्रमते Çat. Br. 1, 6, 3, 33. — 2) herbei-  
kommen: श्रुवाञ्जः संक्रामत्वमुष्मादधि मामभि TS. 7, 3, 11, 1. तामस्य पश-  
वो ऽनु संक्रामति 1, 7, 4, 6. einherschreiten: एवं स संक्रमस्तत्र स्वर्गलोकं  
महायशः । ततो दर्श शक्रस्य पुरीम् MBh. 3, 1755. (वर्हिणः) संक्रामत इ-  
वाभाति पुण्ड्रिताः कमलाकराः R. 5, 52, 13. — 3) durchschreiten, durch-  
wandern: संक्रामतो बहून्देशान् शैलाच्छैलं वनादनम् । ततः पुष्करिणो  
रम्या पम्पामासादयिष्यथः ॥ R. 3, 76, 5. न क्षमी भूतसत्त्वैषाः पन्नगाः सनगो  
महीम् । तदा धारयितुं श्रेयः संक्रातो दानवैर्विलात ॥ MBh. 1, 2492. — 4)  
übergehen in oder auf (loc. acc.): जोजः संक्रमते ऽन्यत्र क्रमवन्धनिबन्धनः  
MBh. 3, 13806. मनःशिलायास्तिलकः सोतायाः सो ऽय वतसि । समदृश्यत  
संक्रातो रामस्य R. 2, 96, 24. दृष्ट्वा भर्तारं संक्रातमपाङ्गं समनःशिलम् 25. अ-  
स्मिन्संक्रातानां व मुकुलानि MĀLAV. 80. मानन्यसंक्रातकृदयम् 28, 23. र-  
विसंक्रातसैर्भाग्यः (चन्द्रमाः) R. 3, 22, 13. श्रौपसर्गिकीर्गाः संक्रामन्ति न-  
रावरम् Suçr. 4, 271, 13. कालो क्षयं संक्रमितुं द्वितीयं सर्वोपकारत्तममाश्रमं  
ते RAGH. 3, 10. — caus. 1) hinführen zu: रसातलं संक्रमिते तुरंगे RAGH.  
13, 3. — 2) übergehen lassen, übertragen, übergeben, überlassen, über-  
liefern: जरा वेतो वमन्यास्मिन्संक्रामय MBh. 1, 3462. 3464. 3499. पुत्रसं-  
क्रामितश्चीस्तु — जगाम तपसे — तपोवनम् 3, 13522. विभीषणे संक्रमय्य  
श्रियं वैरिणः RAGH. ed. Calc. 12, 104. ततस्त्वमिदं (वयीदं?) रूपं संक्रमये-  
यम् DAÇAK. 110, 18. धर्मसंक्रमितेक्षणवृत्तयः RAGH. 9, 52. स ते डुहितरम्  
— वृणुते — अस्मत्संक्रामितैः पदैः (die Worte) KUMĀRAS. 6, 78. स तु तं (ध-  
नुर्वेदं) प्रतिगृह्यैव पुत्रे संक्रामयिष्यति MBh. 13, 2911. PRAB. 115, 12. क-  
दाचदयं पाप इदमकार्यं मायं संक्रामयेत् in die Schuhe schieben MĀKĀU.  
131, 2. — 3) einnehmen, erobern: एते शक्ताः पुरां लङ्कां सप्रकारां स्तोत्र-  
णाम् । उत्पाद्य संक्रामयितुम् R. 6, 1, 41. — 4) übereinkommen: समपं तत्र  
चक्राते तावुषी नृप । अन्याऽन्यस्याभिसेदेहे तौ संक्रामयतां ततः ॥ MBh.  
3, 7494.